पहली बूँद

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कवि परिचय -- गोपालकृष्ण कौल और वर्षा का चित्रण

» पहली बूँद का जादू -- सूखी धरती पर नया जीवन

» आकाश और बादल का रूपक -- नीले नयन, काली पुतली

» शब्द रचना -- 'जलधर' और अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

» कविता से आगे -- मौसम पर अपने विचार व्यक्त करना

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कवि गोपालकृष्ण कौल की कविताओं का मुख्य विषय क्या रहा है?

› पाठ बताता है कि उन्होंने बच्चों के लिए कई कविताएँ लिखीं
› इनके विषय थे देश-प्रेम, प्रकृति और जीव-जंतु
› 'पहली बूँद' कविता प्रकृति (वर्षा) पर आधारित है

उत्तर – गोपालकृष्ण कौल ने बच्चों के लिए देश-प्रेम, प्रकृति और जीव-जंतुओं से जुड़ी मनोरम कविताएँ लिखीं, और 'पहली बूँद' प्रकृति-वर्णन की एक ऐसी ही सुंदर कविता है।

उदाहरण 2. कविता में 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' पंक्ति किसके लिए प्रयुक्त हुई है, और इसका क्या अर्थ है?

› पाठ्यपुस्तक का प्रश्न यही पूछता है
› पंक्ति से पहले कहा गया 'अंकुर फूट पड़ा धरती से'
› इसका अर्थ है अंकुर मानो नींद से जागकर अँगड़ाई ले रहा है, यानी नया जीवन शुरू हो रहा है

उत्तर – 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' पंक्ति 'अंकुर' के लिए प्रयुक्त हुई है -- यह दर्शाती है कि बारिश की पहली बूँद से धरती में नया जीवन (अंकुर के रूप में) जाग उठता है।

उदाहरण 3. 'नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधर' में 'काली पुतली' किसे कहा गया है?

› पंक्ति में 'अंबर' यानी आकाश की तुलना 'नीले नयनों' (आँखों) से की गई है
› फिर 'जलधर' यानी बादलों की तुलना 'काली पुतली' से की गई है
› इस तरह पूरा दृश्य एक आँख जैसा बन जाता है -- आकाश आँख है, बादल उसकी पुतली

उत्तर – 'काली पुतली' यहाँ 'जलधर' यानी बादलों के लिए कहा गया है, जो आकाश-रूपी आँख की काली पुतली जैसे दिखते हैं।

उदाहरण 4. 'जलधर' शब्द की रचना कैसे हुई है, और इस कविता में इसका क्या अर्थ है?

› 'जलधर' दो शब्दों से बना है -- 'जल' (पानी) और 'धर' (धारण करने वाला)
› शाब्दिक अर्थ: जो पानी धारण करे -- यह बादल और समुद्र दोनों पर लागू हो सकता है
› इस कविता में आगे 'काली पुतली' से तुलना होने के कारण यहाँ अर्थ 'बादल' है

उत्तर – 'जलधर' 'जल' और 'धर' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है 'पानी धारण करने वाला'; इस कविता में इसका अर्थ 'बादल' है।

उदाहरण 5. अगर तुम्हें अपनी पसंदीदा ऋतु के बारे में तीन वाक्य लिखने हों, तो कैसे लिखोगे?

› पहले बताओ कौन-सी ऋतु पसंद है (जैसे सर्दी)

› फिर बताओ उस ऋतु में क्या पसंद है (जैसे रज़ाई में बैठकर गरम चाय पीना)

› अंत में बताओ वह क्यों पसंद है (जैसे ठंडी हवा और आराम का एहसास)

उत्तर – उदाहरण: मुझे सर्दी की ऋतु सबसे ज़्यादा पसंद है। इसमें मुझे रज़ाई में बैठकर गरम चाय पीना बहुत अच्छा लगता है। ठंडी हवा और आराम का यह एहसास मुझे बहुत सुकून देता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• कवि का जन्म-मृत्यु वर्ष (1923-2007) और उनकी दूसरी रचना का नाम ('हम कुछ सीखें') परीक्षा में पूछे जा सकते हैं।

• 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' और 'अमृत-सी' जैसी पंक्तियों का भावार्थ लिखने का प्रश्न ज़रूर आता है -- हमेशा किसके लिए (अंकुर/बूँद) प्रयोग हुआ, यह स्पष्ट लिखें।

• इस तरह के रूपक वाले प्रश्न में हमेशा बताएं कि किसकी तुलना किससे की गई है -- सिर्फ़ पंक्ति दोहराने से पूरे अंक नहीं मिलते।

• इस तरह के 'शब्द-रचना' प्रश्नों में हमेशा शब्द को उसके दो हिस्सों में तोड़कर दिखाएं, फिर मिलाकर अर्थ बताएं।

• व्यक्तिगत अनुभव वाले प्रश्नों (जैसे 'आपको कैसा लगता है') में हमेशा अपने असली अनुभव के साथ एक ठोस कारण भी लिखें, सिर्फ़ 'अच्छा लगता है' न लिखें।

एक नज़र में रिवीज़न

› गोपालकृष्ण कौल (1923-2007) - बाल साहित्यकार, प्रकृति और देश-प्रेम पर लेखन।

› पहली बूँद = अमृत; अंकुर का फूटना = नव-जीवन की अँगड़ाई; हरी दूब = धरती की मुसकान।

› अंबर=नीले नयन, जलधर(बादल)=काली पुतली, बारिश=करुणा के आँसू जो धरती की प्यास बुझाते हैं।

› जलधर = जल + धर (पानी धारण करने वाला) -- संदर्भ के अनुसार बादल या समुद्र दोनों हो सकता है।

› व्यक्तिगत अनुभव व्यक्त करने का क्रम: क्या हुआ, कैसा लगा, क्यों लगा -- और मौसम की घटना का आँखों देखा हाल सुनाना।